BSKC -131

B.A. in Applied Sanskrit/अनुप्रयुक्त संस्कृत में स्नातक उपाधि कार्यक्रम

(BAASK)

सत्रीय कार्य

(जुलाई, 2023 एवं जनवरी, 2024 सत्रों के लिये)

BSKC -131 संस्कृत पद्य साहित्य

मानविकी विद्यापीठ

इन्दिरा गाँधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय

मैदान गढ़ी, नई दिल्ली- 110068

स्नातक कार्यक्रम

सत्रीय कार्य (2023-24)

पाठ्यक्रम शीर्षक- संस्कृत पद्य साहित्य

पाठ्यक्रम कोड : BSKC -131/2023-24

प्रिय छात्र/छात्राओं,

यह सत्रीय कार्य शिक्षक जाँच सत्रीय कार्य (TMA) है । सत्रीय कार्य के लिए 100 अंक निर्धारित किए गए हैं । सत्रीय कार्य में पूरे पाठ्यक्रम से प्रश्न पूछे जायेंगे ।

उद्देश्य : शिक्षक जाँच सत्रीय कार्य का उद्देश्य यह जाँचना है कि आपने पाठ्य सामग्री को कितना समझा है और आप उसे अपने शब्दों में कैसे प्रस्तुत कर सकते हैं । यहाँ पाठ्य सामग्री की पुनर्प्रस्तुति से तात्पर्य नहीं है वरन् अध्ययन के दौरान जो कुछ सीखा और समझा है उसे आप आलोचनात्मक ढंग से प्रस्तुत कर सकें ।

निर्देश : सत्रीय कार्य आरम्भ करने से पूर्व निम्नलिखित बातों को ध्यान से पढ़िये :

1.) अपनी उत्तर पुस्तिकाओं के पहले पृष्ठ के दाएँ सिरे पर अनुक्रमांक, नाम, पूरा पता और दिनाँक लिखिए ।

2.) बाईं ओर पाठ्यक्रम का शीर्षक, सत्रीय कार्य संख्या और अपने अध्ययन केन्द्र का उल्लेख करें जैसा आगे दिखाया गया है :

अनुक्रमांक : .....

नाम : .....

पता : .....

पाठ्यक्रम का नाम/कोड : .....

सत्रीय कार्य कोड : .....

अध्ययन केन्द्र का नाम/कोड : .....

दिनाँक : .....

सत्रीय कार्य के लिए आवश्यक निर्देश

1. अध्ययन: सबसे पहले सत्रीय कार्य को ध्यान से पढ़िए । फिर इससे संबंधित इकाईयों का सावधानीपूर्वक अध्ययन कीजिए । अंत में प्रत्येक प्रश्न के संबंध में कुछ विशेष बातें नोट कर लीजिए और उन्हें तार्किक ढ़ग से व्यवस्थित कीजिए ।

2. अभ्यास: उत्तर का प्रारूप तैयार करने से पूर्व नोट की गई बातों पर विचार कीजिए । अनावश्यक बातों को हटा दीजिए और प्रत्येक बिन्दु पर विस्तार से विचार कीजिए । निबन्धात्मक या टिप्पणीपरक प्रश्नों में आरम्भ और उपसंहार पर विशेष ध्यान दीजिए । उत्तर के आरम्भिक अंश में प्रश्न की संक्षिप्त व्याख्या और अपने उत्तर की दिशा का संकेत अवश्य दे देना चाहिए । मध्य भाग में आप उत्तर का मुख्य भाग आवश्यक विस्तार के साथ क्रमबद्धता और तार्किक ढ़ग से प्रस्तुत करें । उपसंहार में उत्तर का सार देना चाहिए ।

यह सुनिश्चित कर लीजिए कि :

क) आपका उत्तर तार्किक और सुसंगत हो,

ख) उत्तर सही ढ़ग से लिखा गया हो तथा आपकी अभिव्यक्ति शैली और प्रस्तुति के पूर्णतया अनुकूल हो,

ग) आपके लेखन में भाषागत त्रुटियों न हों, विशेष रूप से मात्रा और व्याकरण संबंधी गलतियों से बचें ।

3. प्रस्तुति: जब आप अपने उत्तर से पूर्णतया संतुष्ट हो जाएँ, तो उसे साफ़ और सुंदर अक्षरों में उत्तर पुस्तिका में लिख लीजिए तथा जिन बातों पर आप जोर देना चाहते हैं, उन्हें रेखांकित कर दीजिए ।

शुभकामनाओं के साथ ।

नोट: याद रखें कि परीक्षा में बैठने से पूर्व सत्रीय कार्य जमा कराना अनिवार्य है, अन्यथा आपको परीक्षा में बैठने की अनुमति नहीं दी जाएगी ।

सत्रीय कार्य जमा कराने की तिथियाँ:

जुलाई, 2023 सत्र के लिए : 31 मार्च, 2024

जनवरी, 2024 सत्र के लिए : 30 सितम्बर, 2024

सत्रीय कार्य

BSKC -131

संस्कृत पद्य साहित्य

पाठ्यक्रम कोड : BSKC -131

पाठ्यक्रम शीर्षक : संस्कृत पद्य साहित्य

सत्रीय कार्य : BSKC -131/TMA/2023-24

पूर्णांक : 100

नोट – सभी प्रश्न अनिवार्य हैं : -

भाग-क

(क) व्याख्या आधारित प्रश्न

1. अधोलिखित श्लोक की ससन्दर्भ व्याख्या कीजिए- 15X3=45

(क) सम्पदा सुस्थिरम्मन्यो भवति स्वल्पयाऽपि यः ।
कृतकृत्यो विधिर्मन्ये न वर्धयति तस्य ताम् ।। ।

अथवा

विधाय वैरं सामर्षे नरोऽरौ य उदासते ।
प्रक्षिप्योदर्चिषं कक्षे शेरते तेऽभिमारुतम्।।

(ख) अथवा कृतवाग्द्वारे वंशेऽस्मिन् पूर्वसूरिभिः ।
मणौ वज्रसमुत्कीर्णे सूत्रस्येवास्ति मे गतिः । ॥

अथवा

आकारसदृशप्रज्ञः प्रज्ञया सदृशागमः ।
आगमैः सदृशारम्भः आरम्भसदृशोदयः । ।

(ग) अज्ञः सुखमाराध्यः सुखतरमाराध्यते विशेषज्ञः।
ज्ञानलवदुर्विदग्धं ब्रह्मापि नरं न रञ्जयति ।।3।।

अथवा

केयूराणि न भूषयन्ति पुरुषं हारा न चन्द्रोज्ज्वलाः
न स्नानं न विलेपनं न कुसुम नालङ्कृता मूर्धजाः ।
वाण्येका समलङ्करोति पुरुषं या संस्कृता धार्यते
क्षीयन्ते खलु भूषणानि सततं वाग्भूषण भूषणम् ||

भाग- ख

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

नोट : निम्नलिखित में से प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 700 शब्दों में लिखिए। 2x15 = 30

2. • शिशुपाल का चरित्र चित्रण कीजिए।

अथवा

धर्मराज युधिष्ठिर का चरित्र-चित्रण कीजिए।

3. कालिदास का जीवन और उनके शैलीगत वैशिष्ट्य का वर्णन कीजिए।

अथवा

'रघुवंश' महाकाव्य के आधार पर राजा रघु का चरित्र-चित्रण कीजिए

भाग-ग

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

नोट : निम्नलिखित में से किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 200 शब्दों में दीजिए।

5X5=25

4. 'रघुवंश' महाकाव्य के आधार पर दिलीप की चारित्रिक विशेषताओं का वर्णन कीजिए।

5 श्रृंगारशतक का परिचय लिखिए।

6. भर्तृहरि का जीवनवृत्त लिखिए।

7. रघुवंश महाकाव्य की विषयवस्तु का वर्णन कीजिए।

8. 'मेघे माघे गतं वयः' की व्याख्या कीजिए।

9. नीतिशातक ' की विशेषताएँ अपने शब्दों में लिखिए।

10. 'शिशुपालवध' महाकाव्य के आधार पर नारद की विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।